Prakriti- The International Multidisciplinary Research JournalYear 2025, Volume-2, Issue-1 (January - June)

कोप 29 (दलों का सम्मेलन): परिणाम और नई पहल

रिपुंजय सिंह

सदस्य,राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड,जयपुर

लेख जानकारी

मुख्य शब्द: जलवायु, प्राकृतिक, नवीकरणीय

doi:10.48165/ pimrj.2025.2.1.3

सारांश

COP29 (Conference of the Parties) सम्मेलन जलवायु परिवर्तन के खिलाफ वैश्विक समुदाय का एक महत्वपूर्ण कदम है। इस सम्मेलन में प्रमुख पहल, उनकी कार्यान्वयन रणनीतियाँ, और संभावित परिणामों पर विस्तार से चर्चा की गई है। सम्मेलन का उद्देश्य ग्लोबल वार्मिंग को 1.5°C तक सीमित करना, हरित ऊर्जा को बढ़ावा देना, जलवायु वित्त पोषण सुनिश्चित करना, और विकासशील देशों को जलवायु संकट से निपटने में मदद करना है। इसमें कार्बन उत्सर्जन में कमी, नवीकरणीय ऊर्जा के प्रसार, और जलवायु न्याय जैसे पहलुओं को विस्तार से समझाना है साथ ही, COP29 के परिणामस्वरूप वैश्विक स्तर पर हरित प्रौद्योगिकी और सहयोग में वृद्धि की संभावनाओं पर चर्चा की गई है।

परिचय

इस सम्मेलन में जलवायु परिवर्तन के मुद्दों पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्य योजना तैयार करने और उसके कार्यान्वयन का मुख्य मंच है। यह सम्मेलन वैश्विक जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में एक और कदम है। वह इससे जुड़े संभावित परिणामों और जलवायु परिवर्तन के खिलाफ विश्व समुदाय की एकजुटता पर चर्चा की गई है।

इसके महत्व और इसके उद्देश्य में जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करना है। इसके माध्यम से दुनिया भर के देश वैश्विक गरमाने को 1.5°C तक सीमित रखने के लिए आवश्यक नीतियों पर सहमति बिनाने का प्रयास करेंगे व पूर्व में जिन लक्ष्यों पर सहमति बिनी थी, उन्हें आगे बढ़ाया गया है, जिसमें जलवायु लक्ष्यों को मजबूत करना, वैश्विक उष्णता के स्तर को नियंत्रित करने के लिए देशों के बीच समन्वय को बढ़ावा देना है। विकसित देशों से विकासशील देशों के लिए जलवायु वित्तीय सहायता के प्रवाह को बढ़ावा देना। कार्बन फुटप्रिंट कम करने के लिए आवश्यक उपायों को अपनाना और उन्हें सख्ती से लागू करना है।

इसकी भूमिका में अध्यक्षता करने वाले देश के पास एक महत्वपूर्ण भूमिका होगी। व इन देश के पास निर्णय प्रक्रिया में विशेषाधिकार होते हैं। इसमें तीन प्रमुख प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित किया है जिसमे जलवायु न्याय, विकासशील और छोटे द्वीप देशों की सुरक्षा के लिए उचित जलवायु वित्त पोषण और तकनीकी सहायता होगी।

स्थायित्व और पुनर्निर्माण, प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित देशों के लिए एक प्रभावी पुनरावृत्ति कार्यक्रम की पहल करना है। वैश्विक सहयोग का विस्तार करना अन्य विकसित और विकासशील देशों को साथ लाकर प्रभावी नीति निर्माण और कार्यान्वयन सुनिश्चित करना है ।

उद्देश्य

-COP29 का परिचय, उसकी पृष्ठभूमि और इसके महत्व के बारे

में जानकारी प्रदान करना व वैश्विक जलवायु संकट के संदर्भ में इसकी भूमिका को स्पष्ट करना।

- मुख्य पहल और नीतियों का वर्णन करके सम्मेलन के दौरान पारित प्रमुख नीतियों और समझौतों की पहचान करना व कार्बन न्यूनीकरण, नवीकरणीय ऊर्जा, जलवायु वित्त और वैश्विक सहयोग जैसी पहलों पर प्रकाश डालना।
- परिणामों का विश्लेषण करना व संभावित अल्पकालिक और दीर्घकालिक परिणामों का मूल्यांकन करना साथ ही सम्मेलन के निर्णयों का वैश्विक और क्षेत्रीय प्रभाव समझाना।
- चुनौतियों और सीमाओं का आकलन करके नीतियों की सीमाओं, आलोचनाओं और कार्यान्वयन में आने वाली बाधाओं की जानकारी देना।
- सम्मेलन से मिलने वाले सबक और भविष्य में जलवायु परिवर्तन पर नीतियों को कैसे सुधार सकते हैं, पर विचार करना।

कार्यप्रणाली

स्रोतों का चयन और विश्लेषण में UNFCCC की आधिकारिक रिपोर्ट, COP29 की वार्षिक रिपोर्ट, और सम्मेलन में लिए गए निर्णय शोध पत्र, समाचार लेख, और पर्यावरण संगठनों की रिपोर्ट्स, विश्वसनीय ऑनलाइन और प्रिंट माध्यमों से तथ्य इकट्ठा किया।

विषय की संरचना तैयार करने के साथ लेख को विभिन्न खंडों में विभाजित करना, जैसे: परिचय, COP29 की प्रमुख पहलें, परिणामों का विश्लेषण, चुनौतियाँ और आलोचना, निष्कर्ष और सुझाव हैं।

डेटा का उपयोग से जुड़े आँकड़ों और रिपोर्ट्स का उपयोग करके तथ्य-आधारित लेख तैयार किया व COP28 और अन्य पिछले सम्मेलनों के साथ COP29 की पहलों की तुलना करके यह समझाना कि COP29 में नई दिशा कैसे प्रदान की जाए ।

विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण अपनाने के साथ लेख को केवल सूचनात्मक बनाने के बजाय नीतियों और परिणामों का गहराई से विश्लेषण करना है व वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था, और पर्यावरणीय प्रभावों के संदर्भ में नीतियों की प्रासंगिकता तैयार की ।

भूमिका

प्राथमिकताओं के चलते इस सम्मेलन से वैश्विक जलवायु रणनीति को एक नई दिशा मिली है। जिसमे प्रमुख हैं ग्रीन हाउस गैसों का न्यूनीकरण करना, यह पहल से कार्बन उत्सर्जन को नियंत्रित करने के लिए विभिन्न उपायों को लागू किया गया है। इसमें मुख्यतय कोयले, तेल और गैस से नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों की ओर संक्रमण पर रहे हैं। भारी उद्योगों और परिवहन क्षेत्रों में कड़े उत्सर्जन मानकों का कार्यान्वयन, विकसित और विकासशील देशों को उनके उत्सर्जन लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायता करने के लिए आर्थिक और तकनीकी मदद मिली है।

नवीन ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देना जैसे सौर, पवन, और जल ऊर्जा का उपयोग बढ़ाने के लिए विशेष कार्यक्रम हुए। इसके उत्पादन के लिए निवेश को आकर्षित करने और नई तकनीकी उपायों को अपनाने के लिए इस सम्मेलन में ठोस नीतियों की सिफारिश की गई थी। बड़े पैमाने पर ऊर्जा तकनीक परियोजनाओं को प्रोत्साहित करने के लिए निवेश, विशेष रूप से विकासशील देशों के लिए था।

वनों का संरक्षण, पुनःस्थापना, कटाई को रोकने के लिए सख्त कदम और इनका पुनःस्थापन करना था। 'रेड प्लस'जैसी योजनाओं के तहत वन आधारित आजीविका साधनों को बढ़ावा देना था।

जलवायु वित्त पोषण और निवेश जिसका उद्देश्य उन देशों की मदद की है जो जलवायु परिवर्तन के सबसे बड़े प्रभाव का सामना कर रहे हैं। विकसित देशों के लिए एक बाध्यकारी वित्तीय सहायता पैकेज का प्रस्ताव द्वारा छोटे और विकासशील देशों को मदद मिली है। वैश्विक वित्तीय संस्थानों के साथ मिलकर एक जलवायु वित्त कोष की स्थापना हुई है ।

इसके, संभावित परिणाम और उनके प्रभाव में, कार्बन न्यूट्रलिटी की ओर बढ़ता कदमों में निर्धारित लक्ष्यों के आधार पर, विश्व के कई देशों ने 2050 तक कार्बन स्थिर करने के लिए अपनी नीतियाँ तैयार की हैं। कार्बन व्यापार प्रणाली और समायोजन कार्यक्रम को बढ़ावा देना था ताकि सेना और देश अपने कार्बन उत्सर्जन की क्षतिपूर्ति कर सकें।

जलवायु अनुकूलन और लचीलापन के परिवर्तन से प्रभावित समुदायों के लिए अनुकूलन योजनाओं में, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और पेयजल की उपलब्धता जैसे क्षेत्रों में नई अनुकूलन योजनाओं का कार्यान्वयन, हरित प्रौद्योगिकी में नई तकनीकों को विकसित करने के लिए अनुसंधान और विकास पर जोर देना, नए समाधान जैसे ऊर्जा संग्रहण प्रणाली, कार्बन कैप्चर और कृषि में हरित तकनीक का कार्यान्वयन किया है। जलवायु शिक्षा कार्यक्रमों को बढ़ावा देकर, जन जागरूकता को बढ़ाने का प्रयास करने के साथ, स्कूलों और विश्वविद्यालयों में जलवायु पाठ्यक्रम शामिल करने का प्रस्ताव था।

वैश्विक सहयोग और प्रमुख देशों में योगदान के तहत अमेरिका, यूरोपीय संघ, भारत और चीन जैसे बड़े देशों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इनके अलावा छोटे द्वीपीय देशों और विकासशील देशों ने भी अपने अद्वितीय दृष्टिकोण प्रस्तुत किए है, विकसित और विकासशील देशों के बीच सहयोग को मजबूत किया है और वैश्विक जलवायु नीति को अधिक संतुलित बनाया है।इसमें अमेरिका और यूरोपीय संघ हरित प्रौद्योगिकी में निवेश और जलवायु वित्त पोषण में अग्रणी है। चीन और भारत, नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में नवीन तकनीकों का कार्यान्वयन और ऊर्जा संक्रमण कार्यक्रम करना है। छोटे द्वीपीय देशो में जलवायु न्याय की मांग और पुनर्निर्माण सहायता के लिए विशेष समर्थन देंगे ।

साहित्य समीक्षा

COP29 के अंतर्गत जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तावित नीतियों और उनके संभावित प्रभावों का गहन अध्ययन आवश्यक है। इस साहित्य समीक्षा में विभिन्न स्रोतों और रिपोर्ट्स का विश्लेषण करते हुए COP29 की मुख्य पहलों और उनके परिणामों का आकलन प्रस्तुत किया गया है।

वैश्विक जलवायु रणनीति पर आधारित शोध में COP29 का प्रमुख उद्देश्य ग्लोबल वार्मिंग को 1.5°C तक सीमित करना और 2050 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन (Net Zero Emissions) प्राप्त करना है। UNFCCC (2024) द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट में बताया गया कि वैश्विक स्तर पर नीतिगत तालमेल और जलवायु वित्त पोषण के माध्यम से इन लक्ष्यों को हासिल करना संभव है।

Klein (2023) ने अपनी पुस्तक Climate Change Adaptation and Mitigation में COP सम्मेलनों की बढ़ती भूमिका और उनके परिणामों का विस्तृत विश्लेषण किया। उन्होंने COP29 की नीतियों को जलवायु संकट के समाधान के लिए एक ठोस आधार बताया है।

IPCC (Intergovernmental Panel on Climate Change) की रिपोर्टों ने COP29 की प्राथमिकताओं, जैसे हरित प्रौद्योगिकी और नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को दीर्घकालिक समाधान के रूप में समर्थित किया है।

हरित प्रौद्योगिकी और नवाचार के तहत COP29 ने हरित प्रौद्योगिकी और कार्बन कैप्चर जैसे नवाचारों को प्रोत्साहित किया।

IEA (2024) और WRI (2023) की रिपोर्टों ने हरित प्रौद्योगिकी के विकास और निवेश की आवश्यकता को रेखांकित किया है व Cambridge University Press द्वारा प्रकाशित शोध पत्रों में कार्बन कैप्चर और स्टोरेज (CCS) तकनीक की सफलता को COP29 के दीर्घकालिक लक्ष्यों के लिए आवश्यक बताया गया है।

आलोचनात्मक दृष्टिकोण के तहत हालाँकि COP29 ने वैश्विक जलवायु लक्ष्यों की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं, लेकिन कुछ विद्वानों ने इन प्रयासों की सीमाओं पर भी चर्चा की है।

Climate Action Tracker ने कहा कि कई देशों की योजनाएँ 1.5°C लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अपर्याप्त हो सकती हैं व Nature Journal (2023) में प्रकाशित एक अध्ययन में जलवायु वित्त पोषण में पारदर्शिता की कमी और इसके धीमे कार्यान्वयन पर सवाल उठाए गए हैं।

पहल और परिणामों का सारांश:

2024 संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन या UNFCCC की पार्टियों का सम्मेलन है, यह संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन है। जिसका आयोजन 11 से 22 नवंबर 2024 तक बाकू, अज़रबैजान में किया गया है।

इस सम्मेलन का मतलब पार्टियों का सम्मेलन है और यह अक्सर जलवायु पर ध्यान केंद्रित करने वाली "संयुक्त नेशनल फ्रेम वर्क कन्वेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज'' (यूएनएफसीसीसी) अंतरराष्ट्रीय बैठक को संदर्भित करता है। सीओपी यूएनएफसीसीसी का मुख्य निर्णय लेने वाला निकाय है।

1995 में यह शिखर सम्मेलन शुरू होने के बाद से, उत्सर्जन और तापमान दोनों में वृद्धि जारी रही है, जिसका अर्थ है कि दुनिया चरम जलवायु परिवर्तन की राह पर है। यूएनएफसीसीसी प्रक्रिया के समर्थकों का कहना है कि वैश्विक तापमान को सीमित करने के लिए प्रमुख सामाजिक-आर्थिक परिवर्तनों पर बातचीत करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

ये सम्मेलन, जो संयुक्त राष्ट्र के पांच क्षेत्रीय समूहों के बीच प्रतिवर्ष आयोजित होते हैं, इस समूह के सम्मेलन की औपचारिक बैठक के रूप में कार्य करते हैं, यह सम्मेलन क्योटो प्रोटोकॉल के पक्षों की बैठक के रूप में कार्य करता है।

जलवायु वित्त, हानि और क्षति पर ध्यान केंद्रित करना इस सम्मेलन का एक और महत्वपूर्ण विषय है। यह हानि और क्षति कोष पर सहमति की संरचना और दायरे को चालू करने पर ध्यान केंद्रित करता है

क्लाइमेट फाइनेंस एक्शन फंड (सीएफएएफ): शमन, विकास अनुकूलन और अनुसंधान में सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों को उत्प्रेरित करने के लिए जीवाश्म ईंधन उत्पादक देशों और कंपनियों के स्वैच्छिक योगदान से पूंजीकृत एक निधि है। जरूरतमंद विकासशील देशों में प्राकृतिक आपदाओं के परिणामों को तेजी से संबोधित करने के लिए इस निधि को अत्यधिक रियायती और अनुदान-आधारित अनुदान की विशेष सुविधाएं है।

जलवायु वित्त, निवेश और व्यापार के लिए हरित विविधीकरण में निवेश को बढ़ावा देने, नीति विकास का समर्थन करने और बातचीत के माध्यम से विशेषज्ञता साझा करने के लिए एक मंच के साथ जलवायु वित्त, निवेश और व्यापार के गठजोड़ पर ध्यान केंद्रित करने की एक पहल है।

इस सम्मेलन के हरित ऊर्जा क्षेत्र के क्षेत्रों में जिसमें निवेश को बढ़ावा देने, आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करने, बुनियादी ढांचे का विकास, आधुनिकीकरण और विस्तार करने और क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लक्ष्य शामिल था।

वैश्विक ऊर्जा भंडारण क्षमता को 2022 के स्तर से छह गुना बढ़ाकर 2030 तक 1,500 गीगावाट तक पहुंचाने का लक्ष्य खा गया है। ऊर्जा ग्रिड को बढ़ाने के लिए, समर्थनकर्ता ग्रिड में निवेश को काफी हद तक बढ़ाने के लिए भी प्रतिबद्ध हुआ है।

विनियामक, तकनीकी, वित्तपोषण और मानकीकरण बाधाओं को दूर करने के लिए मार्गदर्शक सिद्धांतों और प्राथमिकताओं के साथ स्वच्छ हाइड्रोजन और इसके लिए वैश्विक बाजार की क्षमता को बढ़ाना है। मौजूदा संसाधनों के साथ सबसे कमजोर लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने और संचालन के लिए आगे की कार्रवाई को बढ़ावा देने जैसे ठोस परिणाम देने की परिकल्पना की गई है।

''ग्रीन डिजिटल एक्शन'' घोषणा के तेहत सूचना और संचार प्रौद्योगिकी क्षेत्र में जलवायु-सकारात्मक डिजिटलीकरण और उत्सर्जन में कटौती में तेजी लाने और हरित डिजिटल प्रौद्योगिकियों की पहुंच बढ़ाने की घोषणा की गई है।

मानव विकास पर जिसमें विशेष रूप से बच्चों और युवाओं के लिए शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य और कल्याण में निवेश को प्रेरित करना व निरंतरता स्थापित करना शामिल और शिक्षा मानकों के माध्यम से पर्यावरण साक्षरता को बढ़ाना है।

किसानों के लिए जलवायु पहल के अनुभवों को साझा करने, तालमेल और अंतराल की पहचान करने, वित्त की सुविधा प्रदान करने और ग्रामीण क्षेत्रों में समुदायों और महिलाओं को सशक्त बनाने सहित कृषि पर सहयोग को बढ़ावा देने के लिए पहल, गठबंधन और नेटवर्क को एक साथ लाना है।

अपशिष्ट और खाद्य प्रणालियों में मीथेन को कम करने के लिए मात्रात्मक लक्ष्यों के साथ एनडीसी में अपशिष्ट क्षेत्र प्रतिबद्धताओं की दिशा में काम करने की घोषणा की गई है।

इसमें शहरों में जलवायु चुनौतियों का समाधान करने के लिए बहुक्षेत्रीय सहयोग बढ़ाने की घोषणा और सभी शहरी जलवायु प्रयासों में सामंजस्य बनाने और शहरी जलवायु वित्त को उत्प्रेरित करने की पहल है। पर्यटन के लिए क्षेत्रीय

सहि एट अल.
लक्ष्यों को शामिल करने और उत्सर्जन को कम करने और क्षेत्र में लचीलापन बढ़ाकर टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा देने क्षेत्र में पारदर्शिता बढ़ाने और पर्यटन में टिकाऊ खाद्य प्रणालियों के लिए रूपरेखा प्रदान करने के परिणामों के साथ पहल की गई है।
हितधारकों और जल-संबंधित पारिस्थितिकि तंत्रों पर जलवायु परिवर्तन के कारणों और प्रभावों से निपटने के लिए एकीकृत दृष्टिकोण अपनाने, राष्ट्रीय जलवायु नीतियों में जल-संबंधी शमन और अनुकूलन उपायों को एकीकृत करने का आह्वान किया गया है।
पारदर्शिता रिपोर्ट तैयार करने और प्रस्तुत करने में विकासशील देशों का समर्थन करने, उन्नत पारदर्शिता ढांचे के पूर्ण स्पेक्ट्रम पर सभी पार्टियों के बीच सहयोग और ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने और बेहतर क्षमता जुटाने के लिए एक मंच- जहाँ आवश्यक हो वहाँ संसाधनों का निर्माण करना है।

निष्कर्ष

भविष्य की राह: और उससे आगे की दिशा के निष्कर्षों के आधार पर आगे बढ़ने के लिए कई नए लक्ष्यों और रणनीतियों की योजना बनाई गई है। कार्यक्रमों में उन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देने की उम्मीद है, जिनमें अभी भी सुधार की आवश्यकता है। जिसमें जलवायु अनुकूलन, वित्तीय समर्थन, और सहयोग के जो मार्ग प्रशस्त किए गए हैं, वे आगे की नीतियों के लिए मील का पत्थर साबित होंगे।
समानता आधारित जलवायु नीति में सभी देशों के योगदान को महत्व देना है। जलवायु संकट से निपटने के लिए निजी क्षेत्र की भागीदारी, निजी कंपनियों और संस्थानों का सहयोग लेना है व दीर्घकालिक निगरानी और मूल्यांकन तय किए गए लक्ष्यों के नियमित मूल्यांकन के लिए एक वैश्विक प्रणाली बनाना है।
कोप 29 जलवायु संकट के खिलाफ एक बड़ा कदम है और इससे वैश्विक नीति निर्माण को नई दिशा मिली है। इस सम्मेलन में जो पहल और समझौते किए गए हैं, वे जलवायु स्थिरता को बढ़ावा देने में सहायक होंगे। इसके परिणाम आने वाले वर्षों में जलवायु परिवर्तन को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण सिद्ध होंगे।

ग्रंथ सूची

UNFCCC Official Documents
"Report of COP28 and Planning for COP29," UNFCCC, 2024
Source: https://unfccc.int
जलवायु वित्त और कार्बन न्यूनीकरण
Klein, Richard. Climate Change Adaptation and Mitigation: Strategies for a Resilient Future. Cambridge University Press, 2023.
वैश्विक जलवायु परिवर्तन पर अनुसंधान
World Resources Institute (WRI), "Global Climate Action Progress."
Source: https://wri.org
नवीकरणीय ऊर्जा और हरित तकनीक
IEA (International Energy Agency), "Renewable Energy Investments: Global Trends," 2024.
Source: https://iea.org
COP29 समाचार और दृष्टिकोण
Guardian Environment Network, "COP29 Initiatives: A Path Towards Sustainability."
Source: https://theguardian.com

संदर्भ

संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क समझौता (UNFCCC):

यह सम्मेलन संयुक्त राष्ट्र के तहत आयोजित होता है, जिसमें वैश्विक जलवायु नीति पर चर्चा और समझौते होते हैं।

संदर्भ: "COP28 Outcomes and Transition to COP29", UNFCCC Documentation, 2024

कार्बन न्यूनीकरण की पहल:

COP29 ने उत्सर्जन को कम करने के लिए सख्त मानकों और वित्तीय सहायता के उपायों का प्रस्ताव रखा।

संदर्भ: IEA रिपोर्ट, "Global Energy and Carbon Trends 2024"

जलवायु वित्त पोषण:

विकसित देशों द्वारा विकासशील देशों को जलवायु संकट से निपटने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

संदर्भ: WRI रिपोर्ट, "Climate Finance for Vulnerable Nations," 2023

वैश्विक सहयोग और तकनीकी निवेश:

विकसित और विकासशील देशों के बीच हरित प्रौद्योगिकी को साझा करने की नीति।

संदर्भ: "Global Climate Partnerships in COP29," Guardian Environment Report, 2024

वन संरक्षण और पुनःस्थापना कार्यक्रम:

वनों की कटाई रोकने और पुनःस्थापना के प्रयासों का मूल्यांकन।

संदर्भ: Klein, Richard. Climate Change Adaptation and Mitigation, Cambridge University Press, 2023